

PAGE NO. 4: TOP

हठ, मोह और अहंकार के बीच धर्म का मर्म बता गया नाटक

बरेली। स्टेडियम रोड स्थित रिद्धिमा सभागार में रविवार की शाम नाटक 'धर्म नीति नियति' का मंचन किया गया। महाभारत केवल युद्ध की कथा नहीं, बल्कि मनुष्य के उन निर्णयों की दास्तान है, जिनका परिणाम पीढ़ियों को भुगतना पड़ता है।

इसी विचार पर आधारित नाटक दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब कुरुक्षेत्र का युद्ध आरंभ नहीं हुआ था। इस कहानी के माध्यम से धर्म, नीति, सत्ता, मोह, अहंकार और पश्चात्ताप के अनेक रंगों से लोगों को परिचित कराया। यह प्रस्तुति दर्शकों को केवल महाभारत की कथा नहीं सुनाती, बल्कि उन्हें अपने जीवन के निर्णयों का लेखा-जोखा करने के लिए भी प्रेरित करती है। संवाद



सोमवार

14 सितंबर 2026, आरिचन कृष्ण पक्ष, षष्ठी, विक्रम संवत् 2083, बरेली

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE NO. 4: TOP



एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार को आयोजित नाटक का दृश्य।

सत्ता के सामने सत्य की शक्ति दिखी

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार को नाटक धर्म, नीति, नियति का मंचन हुआ। डॉ. प्रभाकर गुप्ता लिखित रचना का नाट्य रूपांतरण अश्वनी कुमार ने किया है। इसका निर्देशन अम्बुज कुकरेती और विनायक कुमार श्रीवास्तव ने किया है। नाटक ने महाभारत को केंद्र में रखा गया है। सत्ता और वैभव के सामने प्रेम, आत्मीयता और सत्य की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा गुप्ता आदि मौजूद रहे।